%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 655

NO. 342

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 921; A. R. No. 296-J of 1899 )

Ś. 1294

(१।) शाकाव्दे सिधु-रत्नारुणपरिगणिते पौषमासे दशम्यां कृष्णायां सौ-

(२।) म्यवारे हरिशिखरिपतेस्सन्निधौ पुण्यसिद्ध्यै । [दी]पं प्रादादुपेंद्र

क्षितिपति जन

(३।) नी मुम्मडार्य्या गुणाढ्या चागीस्तत् पालयुक्ताश्शतगणनयुता[स्स]त्सदा-

वा [प्ति]-

(४।) हेतोः । श्रीशकवरुषंवुलु १२९४ गुनें टि पुष्य वहल दशमियु वुधवा-

(५।) {वा}रमुनांडु<2> एलमचि चेन्नीश्वरदेवनि महादेवि तन कोडुकु उपेंद्रदेव च-

(६।) क्रवर्तिकि इष्टार्त्थसिद्धिगा श्रीनरसिंहनाथुनि सन्निधिनि ओक अखडदीपमु वे-

(७।) लुंगुटकु गंगवोइनि कोडुकु वीरवोयुनि वसानं वेट्टिन गीर्रे-

(८।) लु नूऋ लेक्क १०० ई गोल्लकु एलमंचि(चि) वेटिन जलक्षेत्र(त्र)मु पुट्टेंडु

(९।) इत डु नेलपडि नेइ देच्चि श्रीभडारानं व्रवेशमु चेयंगलांडु

(१०।) इ धर्म्मु श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the twenty-fourth niche of the verandah round the central shrine of this temple. >

<2. The corresponding date is the 19th January, 1373 A. D. Wednesday, according to the Amānia system.>